मूल्य – 5 रु.

तृप्ति योजना विशेषाँक

Tara बुजुर्गों के लिए...

तारांशु

मासिक

अप्रैल – 2016

वर्ष 4, अंक 6, पृ.सं. 20

निर्धन, निःसहाय अकेले वृद्धों की सेवा में समर्पित : तृप्ति योजना

मासिक राशन, वृद्धों के द्वार

होली के रंगों में सराबोर – आनन्द वृद्धाश्रम

एक वृद्ध
सहयोग
राशि
रु. 5000/-
प्रति माह

आनन्द वृद्धाश्रमवासियों व तारा परिवार ने होली उत्सव सौल्लास मनाया।
अबीर–गुलाल, संगीत–नृत्य व मिठाइयों के साथ सब लोग मस्ती में डूब गए।

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।
01 माह – 5000 रु., 03 माह – 15000 रु., 06 माह – 30000 रु., 01 वर्ष – 60000 रु.

वृद्धाश्रम आवासियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उनके लिए वृद्धाश्रम की सभी सेवाएँ सुविधाएँ – भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा देखभाल आदि सर्वथा निःशुल्क हैं।

तारा संस्थान की विधवा महिलाओं हेतु गौरी योजना के कुछ लाभार्थी प्रसन्नमुद्रा में

आप भी एक
निःसहाय विधवा
को पेंशन प्रदान करें
रु. 1000/-
प्रति माह

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तख़्त सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम विशेष	02
अनुक्रमणिका	03
आपका विश्वास, हमारी निधि	04
दरवाजे पर भोजन.... ''तृप्ति''	05
तृप्ति योजना : एक नज़र	06
तृप्ति योजना लाभार्थी	07-10
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल : स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता सम्पन्न / तारा नेत्रालय विशेष	11
प्रेरणा	12
अपील : भूमि अनुदान / भूमि दान दाताओं की सूची	13
मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	14-15
स्वागत	16
धन्यवाद	17-18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल अपनी पूज्य माता एवं पूज्य पिता डॉ. कैलाश 'मानव' की सन्निधि में,

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

आपका विश्वास, हमारी निधि

अभी कुछ दिनों पहले संस्थान की डाक में एक मुझे एक पत्र मिला.... यह पत्र 17–18 वर्ष की एक बालिका का था। पत्र का सार कुछ इस तरह का था : मैं 12वीं विज्ञान में पढ़ रही हूँ, मेरा सपना इंजीनियर बनने का है क्योंकि मेरे पापा भी इंजीनियर थे.... तीन साल पहले एक सड़क दुर्घटना में वे हमें छोड़ के चले गए। घर पर मैं और मम्मी, केवल दो जने हैं। मम्मी सिलाई का काम करती है। मैं इंजीनियरिंग एन्ट्रेन्स की तैयारी के साथ 5–6 बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती हूँ... हमारी स्थिति को देखकर अच्छी तरह से पता है कि एक विधवा महिला को छोटे बच्चों के साथ घर चलाने में कितनी परेशानी होती है.... पत्रिका तारांशु में गौरी योजना के बारे में पढ़ा और पत्र के साथ एक हजार रुपए चैक भेज रही हूँ.... यह राशि बड़ी तो नहीं पर इसे अपनी ट्यूशन की कमाई में से बचा के भेजा है कृपया स्वीकार करें....

पत्र को पढ़कर बरबस आँखें नम हो गयी.... और विचार आया कि हम कितने सौभाग्य शाली हैं लोग हम पर विश्वास करके अपने खून–पसीने की कमाई में से हमें सौंप देते हैं ताकि उसका उपयोग अच्छे कार्यों में कर सकें। तारा संस्थान में जितने भी दानदाता जुड़े हैं न तो वे मुझे व्यक्तिगत रूप से जानते हैं और न मेरी सभी से बात हुई। लेकिन, फिर भी, एक रिश्ता सा बन गया है.... यह रिश्ता पूर्णतयाः विश्वास पर आधारित है। आपका हम पर विश्वास है कि इन पैसों को सही काम में उपयोग लेंगे.... हमारा भी आप पर विश्वास है तो हमें चिन्ता किस बात की?

यकीन मानिए तारा संस्थान में काम को देखते हुए कभी इस बात की चिन्ता नहीं हुई कि संस्थान तो मुख्यतः दान पर आधारित है तो आगे का काम कैसे चलेगा। डॉक्टर्स या फिर कोई भी स्टाफ कितने दिनों तक हमारे व्यक्तिगत सम्बन्धों पर साथ में काम करेगा? उन्हें भी तो अपने घर चलाने हैं।

सच में यह लगता है कि जैसे इस काम को ईश्वर स्वयं अपने हाथों से चला रहा है। वरना हजारों कि.मी. दूर अमेरिका के किसी शहर से कोई दान भेजे और उससे उदयपुर के पास आदिवासी अंचल के किसी बुजुर्ग दम्पति को महीने भर का राशन मिल जाए.... है न चमत्कार? और ऐसे चमत्कार हम हर पल देख रहे हैं। कितने लोग हैं जिन्हें तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई में आँखों की रोशनी मिल रही है और उनको यह नेत्र ज्योति देने वाला कोई दानदाता वहाँ से सैंकड़ों मील दूर बैठा है।

कितने बुजुर्ग जिन्हें अपने बच्चों ने नहीं संभाला उनको न जाने कितने बच्चे मिलकर तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम के माध्यम से संभाल रहे हैं। और हमारी छोटी–छोटी कम उम्र की विधवा महिलाएँ जिनके बच्चों की पढ़ाई के लिए न जाने कितने माता–पिता अपने बच्चों की सुविधाओं में कटौती करके सहयोग कर रहे हैं।

मुझे अच्छी तरह पता है कि हर व्यक्ति हर परिवार की अपनी जरूरतें होती हैं और जो भी हमें और तारा संस्थान जैसे अन्य किसी भी संस्थान को धन देते हैं वे अपनी आवश्यकताओं में कुछ कटौती करके ही दान दे पाते हैं। और इस दान के साथ उनकी बहुत सारी भावनाएँ जुड़ी होती हैं। और यह भावों भरा सहयोग ही तो हमारी निधि है। हमें मालूम है कि हम अगर सही नीयत से काम करते रहे तो कितना भी काम कर लें यह दान कम नहीं होगा।

हमारे सभी दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए।

आदर सहित....

कल्पना गोयल

जैसी जिसकी दृष्टि होती है उसे वैसी ही सृष्टि दिखती है।

दरवाजे पर भोजन.... "तृप्ति"

तारांशु पत्रिका का यह अंक तृप्ति योजना को केन्द्र में रखकर बना है.... तो सोचा कि क्यों ना इसी योजना के बारे में अपने विचार आप सभी से बाँटु। तारा संस्थान ने तारा नेत्रालय उदयपुर प्रारंभ होने के पूर्व में ही कई आई कैम्प लगाये थे और जब अक्टूबर, 2011 में तारा नेत्रालय, उदयपुर प्रारंभ हुआ तो बहुत ज्यादा कैम्प लगने लगे। कैम्पों में हमारे कार्यकर्त्ता जाते तो वहाँ पर बहुत से बुजुर्ग मिलते जिनके बच्चे शहरों या महानगरों में काम करने गए और सालों तक आते ही नहीं थे और ऐसे ही बुजुर्गों के लिए तारा के माध्यम से फरवरी, 2012 में आनन्द वृद्धाश्रम प्रारंभ किया। इसमें कुछ बुजुर्ग गाँवों से रहने भी आए लेकिन वो कुछ न कुछ बहाना करके चल गए। यह बात शुरू में समझ में नहीं आई कि सारी सुविधाएँ मिलने के बावजुद ग्रामीण लोग वृद्धाश्रम की बजाए टूटे–फूटे झोपड़े या मंदिर या कहीं भी और लेकिन उसी गाँव में क्यों रहना चाहते हैं जबकि दो वक्त के भोजन के लिए भी उनकी निर्भरता दूसरों पर थी। लेकिन धीरे–धीरे यह बात समझ में आने लगी कि गाँवों के लोग अपनी मिट्टी, अपना परिवेश, पास पड़ोसी आदि नहीं छोड़ेंगे चाहे वो भूखे ही रह जाये.... और सच भी है अपना घर सबको प्यारा लगता है चाहे तो कोई महल हो या झोपड़ा... तो फिर क्या किया जाए... इसी तो फिर के उत्तर में यह विचार आया कि वो हमारे पास नहीं रह सकते लेकिन हम तो उन तक जा सकते हैं.... विचार विमर्श हुआ और एक लिस्ट बनी कि क्या क्या सामान उन तक पहुँचाना है

जिसमें आटा, तेल मसाले दालें आदि। फिर एक सुझाव आया कि छोटी सी राशि नकद भी उन्हें दें ताकि कुछ भी उन्हें खरीदना हो चाहे थोड़ा दूध या कभी–कभार कोई हरी सब्जी तो वो ले तो सके और फिर यह निष्कर्ष निकला कि 300 रु. नकद भी प्रतिमाह उन्हें मासिक खाद्य सामग्री के साथ देवें। बस फिर यह सिलसिला शुरू हो गया। ऐसे बुजुर्ग मिलते गए उन्हें मासिक राशन और 300 रु. कैश देने लगे। इस बात का जरूर ध्यान रखा कि चाहे कम लोगों को दें लेकिन यह सहायता प्रतिमाह उन्हें मिले तब तक जब तक वे जीवित हैं और इस योजना की खुबसूरती ही यह है कि आपका शरीर नहीं चल रहा, आपके बच्चे आपके साथ नहीं है और आपके लिए महीने भर का भोजन आपके दरवाजे पर पहुँच रहा है। है न तृप्त करने वाला? जी हाँ, इसलिए नाम "तृप्ति" रखा क्योंकि जो पा रहा वो "तृप्त", जो देने का माध्यम बने वो भी "तृप्त" और सबसे महत्त्वपूर्ण वो दानदाता जो इस योजना में सहयोग दे रहे वो भी "तृप्त"!

दीपेश मित्तल

तृप्ति योजना : एक नज़र

तारा संस्थान की अनेक सेवाभावी योजनाओं की कड़ी में से एक है – तृप्ति योजना जिसके अंतर्गत ऐसे बुजुर्गों की सहायता की जाती है जो निर्धन–निर्बल, अकेले–असहाय हो या जिनके परिवार में कोई नहीं हो, या वे लोग उन्हें अकेले छोड़ शहरों में नौकरी–धंधा करने चले गए हो ऐसे बुजुर्ग जिनकी आय का कोई साधन न हो, ना ही जो इस लायक हो कि कुछ काम–धंधा कर अपना पेट पाल सकें और जिन्हें दो वक्त की रोटी हेतु भी दूसरों का मुँह ताकना पड़ता हो। संस्थान अपने साधकों द्वारा ऐसे जरुरतमंद लोगों की पहचान कर उन्हें मासिक खाध्य–सामग्री व अन्य आवश्यक चीजें उनके घर–द्वार पर पहुँचाने की व्यवस्था करता है। **सामग्री जो प्रत्येक लाभार्थी को हर माह दी जाती है उसका विवरण इस प्रकार है : 10 किलो आटा, 2 किलो चावल, 2 किलो दाल, 1 किलो तेल, 2 किलो शक्कर और 1 किलो नमक–मिर्ची ऊपर से उन्हें 300 रु. नकद राशि अन्य आवश्यक जरूरतों जैसे हरी सब्जी इत्यादि के लिए दिए जाते हैं।** इसके अतिरिक्त बुजुर्गों को कपड़े–लत्ते और कम्बलें भी सप्लाई की जाती हैं तथा क्षमतानुसार उनके झोंपड़ों की मरम्मत भी करवाई जाती है। तारा संस्थान ने साधकों व सेवा–भावी ग्रामीणों को मिलाकर ऐसा तंत्र विकसित किया है जो तृप्ति योजना को सफलता–पूर्वक संचालित करता है। आप चाहें तो आप भी इन मानवीय कार्यों में किसी–न–किसी रूप में अपना सहयोग प्रदान कर सकते हैं।

तृप्ति योजना लाभार्थी : नारू मीणा : बूढ़ा–बीमार क्या करता?

गाँव–बारापाल जिला–उदयपुर निवासी नारू मीणा (62 वर्ष), अपनी पत्नी हरकी (58 वर्ष) व पोता हरू (10 वर्ष) तीनों साथ रहते थे उनके पोते की माँ यानि नारू की पुत्री का देहांत हो गया था सो, हरू अब उनके साथ ही रहता था। नारू एक बुढ़ा बीमार व्यक्ति था। पहले तो कुछ मजदूरी कर लेता था, फिर संभव नहीं था। तीनों प्राणी एक टूटे–फूटे छप्पर की कुटिया में रहते थे जिसमें सर्दी व बारिश से राहत का कोई इंतजाम नहीं था। पत्नी हरकी नारू की चिकित्सा को लकर चिंतित थी लेकिन इलाज तो दूर तीनों भोजन के लिए भी मारे–मारे फिर रहे थे। आखिर करें तो क्या करें? **एक दिन तारा संस्थान की टीम इनके गाँव बारापाल में आई तो नारू व परिवार की स्थिति देख, आनन–फानन में उनको तृप्ति योजना के अन्तर्गत राहत सामग्री प्रदान की और नारू का इलाज भी कराया। नारू की मृत्यु के पश्चात यह राहत इनकी पत्नी हरकी बाई को दे रहे हैं।**

तृप्ति योजना लाभार्थी : देवा भील : दाने–दाने को मोहताज थे

गाँव–बिलोदा, जिला–उदयपुर निवासी 78 वर्षीय देवा भील कमर के फ्रेक्चर से लाचार, बिस्तर में ही पड़े रहते थे। वह और उनकी पत्नी दोनों अकेले सुदूर गाँव में एकदम अकेले अपनी झोपड़ी में रहते थे उनकी कोई संतान नहीं थी, न ही जमीन इत्यादि। ऐसी विषम परिस्थितियों में एक दिन तारा संस्थान ने इनकी सुध ली। **इन्हें तृप्ति योजना में शामिल कर मासिक खाद्य सामग्री इनके द्वार पहुँचाना शुरू किया। साथ–ही–साथ देवा का इलाज भी कराया गया। इस प्रकार इस दम्पति की भूख का तो समाधान किया गया।**

तृप्ति योजना लाभार्थी : देवु बाई पटेल : अकेली बुढ़िया की व्यथा

गाँव–बिलोदा, जिला–उदयपुर निवासी 80 वर्षीय देवू बाई के पति 20 वर्ष पूर्व गुज़र गए। उनके कोई पुत्र नहीं था, तीन पुत्रियाँ थी जो कि ब्याह दी गई थी। आय का कोई साधन नहीं था, जरा सी जमीन थी पर उसको जोतने वाला नहीं था। कोई सगा–सम्बधी भी हाल नहीं पूछता था। बेचारी बुढ़िया उम्र की मार से ठीक से चल–फिर भी नहीं सकती थी, आँखें भी बहुत कमजोर हो गई थी। ऊपर से दमा की समस्या अलग थी। चारों तरफ से निराश देवू बाई को खाने के लाले पड़ रहे थे लेकिन एक दिन भगवान ने उनकी सुनी : तारा संस्थान को जब उनकी दयनीय स्थिति का पता पड़ा तो तुरंत उनको मासिक भोजन सामग्री इत्यादि की व्यवस्था करवाई। देवू बाई के लिए वृद्धावस्था में कम–से–कम खाने के लाले तो नहीं पड़े। **यह सब सम्भव हुआ – करुणा हृदय दानदाताओं की मुक्तहस्त सहायता द्वारा। देवू बाई को उनकी मृत्यु तक यह सहायता जारी थी।**

तृप्ति योजना लाभार्थी : अल्कू बाई : मदद नहीं मिलती तो भूखे मर जाते

गाँव–बारापाल जिला–उदयपुर निवासी अल्कू बाई (65 वर्ष) के पति का अज्ञात बीमारी के चलते 2 वर्ष पहले देहांत हो गया। एक बेटी थी जिसको 8वीं कक्षा तक पढ़ाया और उसकी शादी की चिंता सता रही थी। बड़ा एक पुत्र (जिसकी दो संताने भी है) शहर में दिहाड़ी मजदूरी करने जाता था। लेकिन कभी काम मिल जाता है, कभी नहीं। 6 व्यक्तियों का आखिर एक व्यक्ति अनियमित आय के जरिए किस प्रकार पेट पाले? कभी–कभी तो इन लोगों को दो जून की रोटी भी नसीब नहीं होती थी। **परन्तु तारा संस्थान तृप्ति योजना के अन्तर्गत अल्कू बाई को कई सालों तक मदद पहुँचाई यह मदद 10.12.2015 को उनकी मृत्यु तक जारी थी। बकोल अल्कू अगर तारा से मदद नहीं मिलती तो वे लोग भूखे मर ने की स्थिति में आ जाते।**

क्रोध एक क्षणिक पागलपन है, इसे वश में करो, नहीं तो वह तुम्हें वश में कर लेगा।

तृप्ति योजना लाभार्थी : फेफली बाई : गाँव के मंदिर में शरणार्थी

गाँव–वरणी, जिला–उदयपुर 80 वर्षीय फेफली बाई के पति का 15–17 साल पहले देहांत हो गया था। पड़ोसी कहते हैं कि गाँव का एक बड़ा मकान फेफली बाई के परिवार का था मगर किस्मत की ऐसी हवा चली कि अकेली फेफली बाई को गाँव के मंदिर में शरण लेनी पड़ी। वहीं खाना बनाती और सोती थी। उम्रदराज़ होने के कारण पूरा शरीर कमजोर हो गया था, आँखों से नहीं के बराबर दिखता था। हर तरह से लाचार, अकेली फेफली बाई के परिवार में कोई सहारा नहीं था। मंदिर में अपने आखिरी दिन काट रही थी। **बाई ने तारा संस्थान का दिल से आभार जताया कि उन्होंने कम–से–कम जिन्दा रहने की तो व्यवस्था कर दी। तारा ने यह सहायता फेफली बाई को दिः 28 अक्टूबर, 2014 को उनकी मृत्यु तक जारी रखी।**

तृप्ति योजना लाभार्थी : सत्तू बाई : बदकिस्मती की हद हो गई

गाँव–मीठानीम, जिला–उदयपुर सत्तू बाई (62 वर्ष) बदकिस्मती की कोई गिनती ही नहीं है। जब शादी कर ससुराल आई तो कुछ ही सालों बाद उनके पति को करंट लगने से मानसिक आघात लग गया तब से वह मनोरोगी है एवं घर से बाहर बदहाल घूमने रहते हैं। ऐसी स्थिति में, सत्तू बाई के पिता इनके दो बच्चों सहित अपने साथ पीहर ले गए। बच्चे बड़े हुए, शादी करवाई लेकिन फिर बदकिस्मती देखिए कि बच्ची भी मानसिक रूप से अस्वस्थ रहती है तथा बच्चा बीमार सा रहता है। उसकी कमाई नहीं के बराबर है। अब सत्तू बाई फिर ससुराल लौट आई हैं क्योंकि इनके पिता की मृत्यु हो गई है। सो, अब सत्तू अकेली को न सिर्फ अपनी मंदबुद्धि पुत्री, व मानसिक रूप से अस्वस्थ पति तथा पुत्री के एक बच्चे बल्कि स्वयं की भी देखरेख करनी होती है। खुद उम्रदराज़ हो कर कमजोर हो गई है – आँखों का ऑपरेशन हुआ था फिर भी कम दिखता है। बड़ी बुरी हालत थी **लेकिन तारा संस्थान द्वारा 5 सालों से लगातार तृप्ति सहयोग की बदौलत जीवन जैसे–तैसे संभल पाया है। वह तारा संस्थान के दानवीरों की जीवन भर कृतज्ञ रहेगी।**

तृप्ति योजना लाभार्थी : गट्टू लाल : पत्नी व बच्चे का ख्याल रखें कि मजदूरी पर जाए?

गाँव–नयागाँव, जिला–उदयपुर गट्टू लाल (64 वर्ष) आदिवासी बहुल इलाके में पत्नी व 1 बच्चे के साथ रहता है। मजदूरी करके जैसे–तैसे जीवन बसर करता है पर परेशानी यह है कि बच्चा व पत्नी दोनों मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं सो कई बार इनकी देखभाल हेतु काम–धंधा छोड़कर घर पर ही रहना पड़ता है। ऊपर से पत्नी परेशान करती है, पत्थर वगैरह भी मारती रहती है। पत्नी व बच्चे के इलाज की आवश्यकता है पर पैसे कहाँ से जुटाएँ? मजदूरी से खाने पीने को भी पूरा नहीं पड़ता। टूटी–फूटी झोपड़ी में रहने वाला यह परिवार सर्दी व बरसात में बड़ी परेशानी झेलता है। **लेकिन तारा संस्थान व दानदाताओं का लाख–लाख शुक्र है कि गट्टू जैसे–तैसे अस्तित्व बनाए हुए है। गट्टू लाल की दुआ है कि दान–दाताओं को मालिक भरपूर सुख समृद्धि देवें।**

तृप्ति योजना लाभार्थी : पूंजनाथ – मोती बाई : अकेले दम्पति की दास्तान

सुदूर गाँव–चावण्ड, जिला–उदयपुर में अकेले रहने वाले ये अतिवृद्ध दम्पति हैं। इनके 4 बेटे व 4 बेटियों की मृत्यु हो चुकी है। सिर्फ 1 बेटी बची है जो शहर में कहीं रहती है। इनकी बेटी से मिलने की इच्छा बहुत होने पर फोन करवाते हैं तो जवाब आता है कि 15 दिन बाद आएंगी। ये लोग बेचारे इंतजार करते रह जाते हैं। बेटी इन्हें अपने साथ शहर ले जाना चाहती है पर इनको मंजूर नहीं है। ये लोग अपनी पुश्तैनी टूटी–फूटी झोपड़ी में ही खुश हैं। पर अकेले दम्पति बहुत कष्टों से गुज़र रहे थे। सो, तारा संस्थान ने उन्हें तृप्ति सहयोग प्रदान किया। **पूंजनाथ व मोती बाई दानदाताओं को आशीर्वाद देते हुए उनकी व उनके परिवार की दीर्घायु व सुख–सुमृद्धि की कामना करते हैं।**

ज्ञान आश्चर्य से आरम्भ होता है और आश्चर्य में खत्म हो जाता है।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल :-

स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता सम्पन्न

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा संचालित गोकुल विलेज स्थित शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 30 बच्चों ने सोत्साह भाग लिया। इस प्रतियोगिता में 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चे सम्मिलित हुए। स्वस्थ शिशुओं के चयन का आधार स्वास्थ्य परीक्षण, सुन्दर बाल, मधुर मुस्कान एवं बच्चों की बोलचाल को वरीयता दी गई। निर्णायक सुप्रसिद्ध बाल रोग विशेष डॉ. राहुल खत्री थे। इस प्रतियोगिता में कुल 30 बच्चों ने भाग लिया। सफल रहे प्रतियोगिता को पुरस्कृत किया गया तथा प्रमाण–पत्र भेंट किये गये। अन्य बच्चों को चॉकलेट का वितरण किया गया। संस्थान की संस्थापक एवं अध्यक्ष कल्पना गोयल ने बताया कि हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी हमें आशातीत सफलता मिली।

तारा नेत्रालय :-

ऑप्टोमेट्री दिवस मनाया

दिनांक 23 मार्च को तारा नेत्रालय, उदयपुर ने विष्व ऑप्टोमेट्री दिवस सौल्लास मनाया। इस अवसर पर तारा संस्थान अध्यक्ष – श्रीमती कल्पना गोयल के साथ डॉ. दवे, डॉ. सर्राफ व डॉ. कुमावत अपने सारे स्टाफ के साथ उपस्थित थे। तत्पष्चात, नेत्रालय के ऑप्टोमेट्रिस्ट श्री जितेन्द्र सिंह, श्री मोहन प्रजापत, श्री संदीप जैन, श्री प्रितेष व सुश्री निर्मला धाकड़ का सम्मान कर उन्हें भेंट प्रदान की गई।

प्रेरणा :-

कैसे आपकी मुस्कुराहट लाखों चेहरों पर मुस्कान ला सकती है?

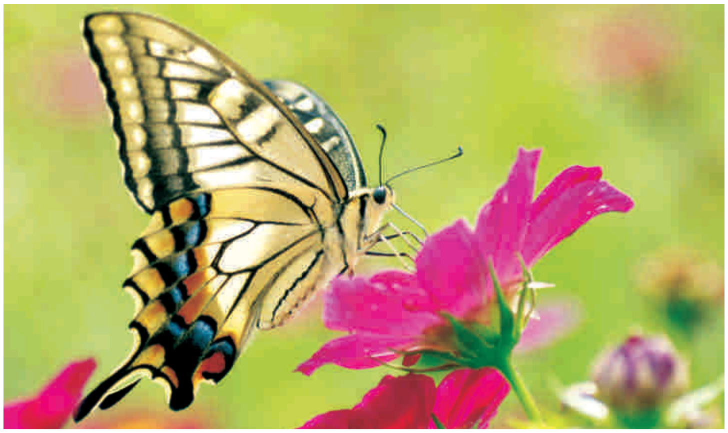

एक कवि महोदय एक फूल के पास गए और बोले – ''मित्र तुम कुछ दिनों में मुरझा जाओगे, तुम कुछ दिनों में इस मिट्टी में मिल जाओगे। तुम फिर भी मुस्कुराते रहते हो, इतनी ताजगी से खिले रहते हो, क्यों ?'' फूल कुछ ना बोला.... इतने में एक तितली कहीं से उड़ती हुई आई और फूल पर बैठ गयी। काफी देर तक तितली ने फूल की ताजगी का आनंद उठाया और फिर उड़ चली। अब कुछ देर बाद एक भंवरा आया और फूल के चारों ओर घूमते हुए मधुर संगीत सुनाया फिर फूल पर बैठ कर खुशबू बटोरी और फिर से उड़ चला। एक मधुमक्खी झूमती हुई आई और फूल पर आकर बैठ गयी, ताजा और सुगन्धित पराग पाकर मधुमक्खी बहुत खुश हुई और शहद का निर्माण करने उड़ चली। एक छोटा बच्चा बाग में अपनी माँ के साथ खेलने आया। खिलते फूल को देखकर उसका मन बहुत प्रसन्न हुआ। उसने कोमल हाथों से फूल को स्पर्श किया और खुश होता हुआ फिर से खेल में लग गया। अब फूल ने कवि से कहा – ''देखा, पल भर के लिए ही सही लेकिन मेरे जीवन ने ऐसे ही ना जाने कितने लोगों को खुशियां दी हैं। इस छोटे से जीवन में ही मैंने बहुत सारे चेहरों पर मुस्कान बिखेरी है। मुझे पता है कि कल इस मुझे इस मिटटी में मिल जाना है लेकिन इस मिटटी ने ही मुझे ये ताजगी और सुगंध दी है तो फिर इस मिटटी से मुझे कोई शिकायत नहीं है।''

मैं मुस्कुराता हूँ क्योंकि मैं मुस्कुराना जानता हूँ।
मैं खिलता हूँ क्योंकि मैं खिलखिलाना जानता हूँ।

मुझे अपने मुरझाने का गम नहीं है। मेरे बाद कल फिर इस मिट्टी में नया फूल खिलेगा, फिर से ये बाग सुगन्धित हो जाएगा। ना ये ताजगी रुकेगी और ना ही ये मुस्कराहट। यही तो जीवन है। दोस्तों आपकी एक छोटी सी मुस्कराहट भी कई लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला सकती है। हमेशा मुस्कुराइए, जीवन चलता रहेगा। आज आप हैं कल आपकी जगह कोई और होगा।

☺ अगर आप एक अध्यापक हैं और जब आप मुस्कुराते हुए कक्षा में प्रवेश करेंगे तो देखिये सारे बच्चों के चेहरों पर मुस्कान छा जाएगी।

☺ अगर आप डॉक्टर हैं और मुस्कराते हुए मरीज का इलाज करेंगे तो मरीज का आत्मविश्वास दोगुना हो जायेगा।

☺ जब आप मुस्कुराते हुए शाम को घर में घुसेंगे तो देखना पूरे परिवार में खुशियों का माहौल बन जायेगा।

☺ अगर आप एक बिजनेसमैन हैं और आप खुश होकर कंपनी में घुसते हैं तो देखिये सारे कर्मचारियों के मन का प्रेशर कम हो जायेगा और माहौल खुशनुमा हो जायेगा।

☺ अगर आप दुकानदार हैं और मुस्कुराकर अपने ग्राहक का सम्मान करेंगे तो ग्राहक खुश होकर आपकी दुकान से ही सामान लेगा।

☺ कभी सड़क पर चलते हुए अनजान आदमी को देखकर मुस्कुराएं, देखिये उसके चेहरे पर भी मुस्कान आ जाएगी।

मुस्कुराइए, क्यूंकि मुस्कराहट के पैसे नहीं लगते ये तो खुषी और संपन्नता की पहचान है। मुस्कुराइए, क्योंकि आपकी मुस्कराहट कई चेहरों पर मुस्कान लाएगी। मुस्कुराइए, क्योंकि ये जीवन आपको दोबारा नहीं मिलेगा।

ख्याति वह प्यास है जो कभी नहीं बुझती।

तारा संस्थान, उदयपुर के अन्तर्गत

आनन्द वृद्धाश्रम

प्रस्तावित नवीन परिसर हेतु भूमि अनुदान

तारा संस्थान ने 3 फरवरी, 2012 को आनन्द वृद्धाश्रम प्रारंभ किया। उद्घाटन के समय 25 वृद्ध लोगों के पूर्णतया निःशुल्क रहने की व्यवस्था थी। आनन्द वृद्धाश्रम ऐसे बुजुर्गों का घर बना जिन्होंने अपने समय में एक अच्छा जीवन जिया था लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें लाचार और कुछ को लावारिस बना दिया। बुजुर्गों के इस घर में उन्हें आवास चिकित्सा, भोजन, वस्त्र आदि सभी सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध हैं और साथ में सम्मान के साथ अपनापन और प्यार भी दिया जाता है। आनन्द वृद्धाश्रम में गंभीर रूप से बीमार होने पर या कई बार बिस्तर पकड़ने (bed-ridden) होने पर भी आवासी की पूर्ण सेवा या चिकित्सा की गई है। 25 बेड से प्रारंभ हुए आनन्द वृद्धाश्रम में वर्तमान में 45 बेड हैं क्योंकि जैसे जैसे नये बुजुर्ग आते गए उनको मना नहीं किया जाकर उनके लिए बेड बढ़ाते गए। लेकिन समस्या अब सामने आ रही है कि प्रतिमाह 2 के औसत से लोग जानकारी मांगते हैं या वृद्धाश्रम में आवास की इच्छा जताते हैं पर अब ज्यादा बेड खाली नहीं बचे हैं। समस्या के निदान के लिए संस्थान द्वारा एक 7000 वर्ग फीट का प्लाट लिया गया है। इस प्लॉट पर एक सर्व सुविधायुक्त वृद्धाश्रम बनाया जाना प्रस्तावित है। उदयपुर शहर की आबादी के मध्य हिरण मगरी सेक्टर 14 में स्थित है। आबादी के मध्य होने से रहने वाले बुजुर्गों को एकाकीपन का एहसास नहीं होगा और बाजार, पार्क आदि सुविधाएँ नजदीक होने से उनका आनंद उठा सकेंगे। प्लॉट लेने के लिए संस्थान को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से लोन लेना पड़ा। हमारा यह विश्वास है कि जैसे बूंद बूंद से घड़ा भरता है वैसे ही यदि हम हमारे दानदाताओं से सम्पर्क करें तो इस भूमि के लिए सहयोग जुटा सकते हैं। तारा संस्थान में आने वाले एक भी बुजुर्ग को आनन्द वृद्धाश्रम में स्थान नहीं होने के कारण निराश न जाना पड़े यही सोच इस नए वृद्धाश्रम की भूमि लेने की है। आशा है कि आप असहाय बुजुर्गों की इस आस में अपना छोटा सा सहयोग देकर कृतार्थ करेंगे।

भूमि हेतु सहयोग करने वाले दानदाताओं के नाम प्लॉट के मुख्य द्वार के दोनों और स्वर्णाक्षरों में अंकित किए जाएंगे और भूमि पूजन के समय आप सभी को निमंत्रित कर आपका सम्मान किया जाएगा।

भूमि सेवा रत्न : 1,00,000 रु. **भूमि सेवा मनीषी : 51,000 रु.** **भूमि सेवा भूषण : 21,000 रु.**

भूमि दान दाताओं की सूची

भूमि सेवा रत्न

श्री अर्जुनदास जी ए. अलरेजा, मुम्बई
श्री राघबीर सिंह जी, नई दिल्ली

भूमि सेवा मनीषी

श्रीमती वी.के. अजवानी, पुणे
मै. रुकमणी पॉवर एवं स्टील लि., रायगढ़
सुधा जी यादव, नई दिल्ली
सुला रंजन जी मेहता, मुम्बई
श्री अर्जुन जी पारिक पुत्र श्री विजय जी पारिक, बीकानेर
श्री बसन्त कुमार जी श्रीवास्तव, उज्जैन
श्री श्याम लाल जी अग्रवाल, उड़िसा

भूमि सेवा भूषण

श्री हरिश कुमार जी गोयल, चैन्नई
श्री राजीव कुमार जी लोहिया, चैन्नई
श्री सुशील कुमार जी पुत्र श्री रघुवीर चन्द जी, बथोनिया
मै. रामदेव आर्ट, जोधुपर
श्री रविन्दर जी मुरारी लाल जी गोयल, पुणे
श्री राजेन्द्र कुमार जी गरोवर, अम्बाला
श्री रतन लाल जी शर्मा एवं श्री श्रीमती निर्मल जी शर्मा, दिल्ली
श्री हरिपाल जी अग्रवाल / श्यामा जी अग्रवाल, दिल्ली
मै. के.के. ऑटो एजेन्सी, नई दिल्ली
श्री गोपाल दत्त जी, गाजियाबाद
श्री चन्द्र भान जी सोनवानी, नागपुर
श्री ओमप्रकाश जी गुप्ता, भोपाल
श्री चुन्नीलाल जी सिंघवी, श्री भीमराज जी सिंघवी, पुनावली
श्री राम किर्ती जी गोविल, कासगंज
श्री लोकेश जी भट्ट, दिल्ली
श्री मनीष जी रामनिवास जी सोमानी, पुणे
श्री मोहनलाल जी अग्रवाल, बैंगलोर
श्री रामचरण जी मुसद्दीलाल जी, अलवर
श्री विश्वनाथ प्रसाद जी, पटना
श्री किशन चन्द्र जी अग्रवाल, मेरठ केन्ट
श्रीमती संतोषी पति श्री गौतम जी भण्डारी, बैंगलोर
श्रीमती राजकुमारी जी अग्रवाल, गाजियाबाद
श्री जगदीश रंजन जी द्विवेदी, झांसी
श्री अश्विन जी गौड़, अम्बाला
श्री प्रीतम सिंह जी भारद्वाज, पंचकुला
डॉ. डी.सी. वर्मा, पंचकुला
श्रीमती मधुरीता जी पति डॉ. अशोक जी अरोड़ा, मुक्तसर

नवीन वृद्धाश्रम परिसर का भूमि - पूजन

दिं : 11 अक्टूबर, 2016, सुबह 11 बजे

मासिक अपडेट्स :- मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

मना जी, उदयपुर

गोपी देवी, उदयपुर

लाल सिंह, दिल्ली

प्रेमवती, दिल्ली

कल्पना, मुम्बई

लता, मुम्बई

दानदाताओं के सौजन्य से माह मार्च - 2016 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
07.03.2016	श्री सत्यजीत पाटीदार पुत्र श्री शंकर लाल जी पाटीदार	150	14	42	63
11.03.2016	श्री राम दयाल एवं श्रीकांत शर्मा, निवासी - भीलवाड़ा (राज.)	125	12	38	51
21.03.2016	विजन फाउण्डेशन ऑफ इण्डिया	158	19	41	59
28.03.2016	श्रीमती पुष्पा पाटनी धर्मपत्नी श्री प्रद्युमन पाटनी, निवासी - इन्दौर	162	24	41	73
29.03.2016	श्री मिश्री लाल जी जैन, निवासी - हैदराबाद	136	20	29	42
30.03.2016	श्री एम. नरसिम्हा, निवासी - हैदराबाद	117	11	21	39

तारा नेत्रालय, दिल्ली में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
09.03.2016	श्री विशाल जैन, श्री वंशज जैन, प्रक्षाल जैन, निवासी - अशोक विहार, दिल्ली	137	10	39	56
10.03.2016	विजन फाउण्डेशन ऑफ इण्डिया	161	16	35	106
21.03.2016	विजन फाउण्डेशन ऑफ इण्डिया	210	25	72	121
31.03.2016	एन.पी.सी.बी. (National Programe for Control of Blindness, Delhi)	127	09	49	42

तारा नेत्रालय, मुम्बई में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
03.03.2016	जयेन्द्र ओ. पारिख एवं पदमा जे. पारिख	67	17	31	45
10.03.2016	विजन फाउण्डेशन ऑफ इण्डिया	78	08	31	53

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रति शिविर - 21000 रु.

सबकी बात को अपनी बुद्धि से तौलो, तब आगे बढ़ो।

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविरों की झलकियाँ

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
03.03.2016	श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन, श्री पीयुष जैन, श्री पंकज जैन	मधुबन चौक, नई दिल्ली	233	7	145	288
06.03.2016	श्री विनापानी शिव कुमार, निवासी - गोरेगाँव (ई.) मुम्बई	वरली, मुम्बई	309	17	120	145
12.03.2016	श्री सत्यनारायण जी राम रतन जी परिहार, निवासी - कोदरीया महू	सवानिया, मावली, उदयपुर	136	8	....	116
12.03.2016	कमला देवी मेमोरियल एजुकेशनल वेल्फेयर एवं चेरिटेबल सोसायटी	बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली	1220	41	650	1180
13.03.2016	चतुर्भुज देवी लाल जी प्रजापति, निवासी - किशनगंज महू	लसाड़िया, उदयपुर	127	7	....	106
13.03.2016	राजस्थान क्लब (देश की प्रमुख सामाजिक एवम् सांस्कृतिक संस्था)	साकेत, नई दिल्ली	310	8	175	250
14.03.2016	National Programe for Control of Blindness, Delhi	गाँधीनगर, दिल्ली	110	5	60	100
19.03.2016	श्रीमती विमला जी - श्री पुरुषोत्तम जी सिंघल, निवासी - महू (म.प्र.)	भावली, मावली, उदयपुर	156	12	....	89
19.03.2016	श्री राजेश इन्द्रकुमार एवं संगीता अजय जी, निवासी - पुना (महा.)	भावली, मावली, उदयपुर	166	14	....	84
27.03.2016	श्री ब्रह्म चैतन्य महाराज गोंदवलेकर, निवासी - ठाणे (वेस्ट), मुम्बई	घणोली, मावली, उदयपुर	116	7	30	79
27.03.2016	ओरियंट आगरा फुड्स एवं फिड्स, निवासी - इन्दौर	घणोली, मावली, उदयपुर	125	09	29	73
28.03.2016	श्री निपुन कुमार जैन (अमीनर सराय वाले), निवासी - मेरठ (यू.पी.)	गाँधीनगर, दिल्ली	426	30	196	402
30.03.2016	श्री मनोज कुमार शौकीन	नांगलोई, दिल्ली	208	08	70	136

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
06.03.2016	सचखण्ड नानक धाम (Regd.), इन्द्रापुरी, लोनी गाजियाबाद (यू.पी.)	475	38	247	460
13.03.0016	सरस्वती षिषु मंदिर, वन्दना विहार, खोड़ा कॉलोनी, गाजियाबाद (यू.पी.)	950	50	496	916

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

स्वागत :-

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री महावीर प्रसाद सहेवाल, श्री सुरेष सहेवाल
अहमदाबाद (गुज.)

श्री चन्दन मल जैन
गोदावरी (आन्ध्र प्रदेष)

श्रीमती जतन देवी बोहरा एवं परिवार
उदयपुर (राज.)

अतिथि देवो भवः

हम हिंदुस्तानियों को मेहमानवाजी की महान परम्परा विरासत में मिली है। यहाँ मेहमान को भगवान का दर्जा दिया जाता है। हमारे पूर्वजों का मानना था कि वे लोग बहुत भाग्यवान होते हैं जिनके घर मेहमान आते हैं। तभी तो यहाँ की संस्कृति में लिखा गया है कि 'अतिथि देवो भवः'।

''तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया''

श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
दिल्ली

लाइव केयर, (वूमेन एण्ड चिल्ड्रन केयर) रजि.
दिल्ली

श्री निहाल चन्द जैन
चैन्नई

श्री धर्मीचन्द जी
चैन्नई

श्रीमती निर्मल जी गुप्ता
चैन्नई

श्रीमती शकुंतला तलवार
जोधपुर

श्री विजेन्द्र कुमार अग्रवाल
आगरा

श्री एम.एल. सोनी
जोधपुर

श्री नारायण प्रजापत
जोधपुर

श्री कर्मवीर सिंह
आगरा

श्री एम. नरसिम्हा
हैदराबाद

श्री विनोद कुमार कोठारी
एवं श्रीमती कोठारी, चैन्नई

श्रीमती सुजाता – श्री बी. नागाचार्यलू
हैदराबाद

श्रीमती श्रुति रीमा चटर्जी
पुणे

श्री गणपत बागमार
चैन्नई

श्री घनश्याम सुल्तानिया
हैदराबाद

श्री ललित कुमार जैन
चैन्नई

श्री नारायण सिंह पुरोहित
चैन्नई

बिना किसी दूसरे से तुलना किए हुए ही अपने जीवन का उपभोग करें यही परम संतोष है।

Thanks

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Harishankar - Mrs. Shimpal Prajapat
Ratangarh - Churu (Raj.)

Mr. Mahaveer Prasad - Mrs. Mena Devi Prajapat
Ratangarh - Churu (Raj.)

Padaliya Family
Morbi (Guj.)

Mr. Yashwant Kumar - Mrs. Kusumlata Surana
Udaipur (Raj.)

Mr. Manak Chand - Mrs. Seeta Devi Goyal
Jaipur (Raj.)

Mr. Sanvar Lal - Mrs. Parvati Modi
Bikaner (Raj.)

Mr. Mani Lal - Mrs. Kiran Devi Roka
Bhinasar - Bikaner (Raj.)

Mr. & Mrs. Ramchand Hans
Bhuwneshwar

Mrs. Santoshi Ji - Mr. Gautam Ji,
Piyush & Sanya (Bangalore)

Mr. Khiladi Shankar - Mrs. Jyoti Gaur
Bikaner (Raj.)

Mr. B. Vijay Bhaskarji - Mrs. Naganandini
Hyderabad

Mr. Harish Kumar - Mrs. Sudha Goyal
Chennai

Mr. Aatmaram Dudani & Family
Alwar (Raj.)

Mr. Vishvanath - Mrs. Geeta Devi Tebriwal
Mumbai

Mr. Surendra Kumar - Mrs. Madhulata Agrawal
Ahmedabad (Guj.)

Mr. Chandra Prakash Gupta & Family
Agra (UP)

Mr. P.R. Arya
Nainital (UK)

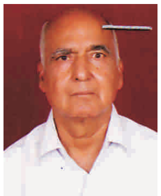

Mr. Radheshyam Khurana
Bikaner (Raj.)

Mr. Bhushan Lal
Panchkula (HR)

Mrs. Vidheh Mathur
Bikaner (Raj.)

Mr Harish Bhai Goswami
Rajkot (Guj.)

Mr. Dinesh Ojha
Bikaner (Raj.)

Mr. Jagdish Chand Suthar
Bikaner (Raj.)

Mr. Raghunandan Sharma
Delhi

Mrs. Maitri Mukharji
Udaipur

Mr. Satish Kumar Khatri
Bikaner (Raj.)

Mr. Kartik Dudani
Alwar (Raj.)

Mr. Nemi Chand Jain
Phadiya

Mrs. Ila Ben Doshi
Rajkot

Mr. Dharmi Chand
Chennai

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Dalpat Singh - Mrs. Kusum Seth
Bhilwara (Raj.)

Mr. Teji Lal - Mrs. Urmila Mishra
Jhansi

Mr. Gajanand - Mrs. Pushpa Bai Sanghi
Hyderabad

Mr. Mukesh Kumar - Mrs. Neeraj Dhingra
Bikaner (Raj.)

Mr. Babu Lal - Mrs. Pushpa Ben Shah
Shahi Bagh, Ahmedabad

Mr. P.C. - Mrs. Madhu Mahajn
Indore (MP)

Mr. Shitij - Mrs. Sheetal Mahajan
Indore (MP)

Mr. Rakesh - Mrs. Santosh Dad
Bhilwara (Raj.)

Mr. Raman Mittal
Bikaner (Raj.)

Mr. Dayaram Mahawar
Khairthal (Alwar) Raj

Mr. Khairati Lal Jain
Alwar (Raj.)

Mrs. Mahesh Kumari Jain
Alwar (Raj.)

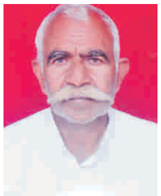
Mr. Sahi Ram Suthar
Bikaner (Raj.)

Mr. Ekansh Dad
Bhilwara (Raj.)

Mr. Ritij Dad
Bhilwara (Raj.)

Mr. Teerathdas Rochwani
Khairthal (Alwar) Raj.

Mr. Ramagi Pal Arya
Bikaner (Raj.)

Mr. Mohmmad Ramjan Bhati
Bikaner (Raj.)

Mr. Ramkumar Sharma
Bansur (Alwar) Raj.

Mrs. Savitri Devi Sharma
Bansur (Alwar) Raj.

Dr. Ajay Jain
Sikar (Raj.)

Mrs. Vijay Laxmi
Chandigarh

कृपया आपश्री सहमति पत्रके साथ अपनी करुणा – सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) .... सहयोग मद/उपलक्ष्य में/स्मृति में .... संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये .... का केष/चैक/डी.डी. नम्बर .... दिनांक .... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) .... पिता (नाम) ....

निवास पता ....

लेण्ड मार्क .... जिला .... पिन कोड .... राज्य ....

फोन नम्बर घर/ ऑफिस .... मो.नं. .... ई–मेल ....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

गलतियां करते हुए जिन्दगी गुजारना कुछ न करते हुए जिन्दगी गुजारने से बेहतर है।

Tara
बुजुर्गों के लिए...

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59
Phone No. 011-25357026, +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

Area Specific Tara Sadhak

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 09694979090

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Bharat Menaria
Area Mumbai
Cell : 07821855755

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 08866219767, 09829906319

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Smt. Pooja Jain
Saharanpur (UP)
Cell : 09411080614

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Lt. Col. A.V.N. Sinha
Lucknow
Cell : 09598367090

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (UP)
Cell : 09412287735

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers,
Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G and 35 AC / 80GGA of I.T. Act. 1961 at the rate of 50% and 100%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097		

For online donations - kindly visit - www.tarasansthan.org **Pan Card No. Tara - AABTT8858J**

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक - अप्रैल, 2016 समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
प्रेषण तिथि - 11-18 प्रति माह डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2015-2017
प्रेषण कार्यालय का पता : उप डाकघर, शास्त्री सर्कल, उदयपुर मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G व 35AC/ 80GGA के अन्तर्गत आयकर में 50% व 100% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097	Pan Card No. Tara - AABTT8858J	

जो दानदाता आयकर में 35 AC के अन्तर्गत छूट प्राप्त करना चाहते हैं वे हमारे इस खाते में दान प्रेषित करें :
खाता सं. :- 693501700205 IFSC Code : ICIC0006935, ICICI बैंक, सेक्टर 4, उदयपुर

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

पारस	आस्था भजन	आस्था
'पारस' रात्रि 9.20 से 9.40 बजे	'आस्था भजन' प्रातः 8.40 से 9.00 बजे	'आस्था' रविवार दोपहर 2.30 बजे

बुक पोस्ट

Tara
बुजुर्गों के लिए...
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org